

नोएडा में बनेगा उत्तर प्रदेश का पहला प्रदूषण नियंत्रण टॉवर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नोएडा क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) की मदद से डीएनडी एक्सप्रेसवे पर वायु प्रदूषण नियंत्रण टॉवर (एपीसीटी) को स्थापित किया जाना सुनिश्चित हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- आधिकारिक सूचना के अनुसार नोएडा के सेक्टर 16(A) फ्लिमसॉटी के नजदिक ही डीएनडी एक्सप्रेसवे की हरति पट्टी में यह वायु प्रदूषण नियंत्रण टॉवर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर आगामी 2 माह के अंदर स्थापित एवं संचालित किया जाएगा।
- इस वायु प्रदूषण नियंत्रण टॉवर (एपीसीटी) का आधार लगभग 4.50 मीटर व्यास वाला तथा ऊँचाई लगभग 20 मीटर होगी।
- वर्तमान समय में यह टॉवर भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के हरदिवार संयंत्र में तैयार किया जा रहा है तथा इसे स्थापित करने के लिये अस्थायी तौर पर प्राधिकरण द्वारा लगभग 400 वर्ग मीटर स्थल उपलब्ध कराया गया है।
- इस टॉवर के स्थापित होने से लगभग एक वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र तथा डीएनडी व ग्रेटर नोएडा-नोएडा एक्सप्रेसवे की वायु गुणवत्ता में सुधार होगा।
- इस टॉवर के संचालन में प्रतिवर्ष लगभग 37 लाख रुपए का व्यय अनुमानित किया गया है, जिसका 50% भाग नोएडा प्राधिकरण द्वारा वहन किया जाएगा।
- इस प्रकार का एक टॉवर अगस्त 2021 में दिल्ली के कनाॅट प्लेस में स्थापित किया गया है, लेकिन उत्तर प्रदेश में यह पहला वायु प्रदूषण नियंत्रण टॉवर होगा।